दैनिक जागरण
बरेली, 9 नवंबर, 2009

ह्यूस्टन में जाफरी अवार्ड से नवाजे गये वसीम बरेलवी

बरेली : अंतर्राष्ट्रीय ख्याति के शायर और बरेली गौरव प्रो. वसीम बरेलवी की शायरी की लोकप्रियता काफी अरसा पहले हिन्दुस्तान की सरहदों को पार कर चुकी है। अमेरिका के

अलावा एशिया के कई देशों में वह मुशायरों में अपने कलाम से लोगों को दीवाना बना चुके हैं। उनके इसी कमाल और उर्दू अदब की खिदमत के लिये अमेरिका के ह्यूस्टन शहर में अली सरदार जाफरी अवार्ड से नवाजा गया। दो साल पहले अमेरिका के जिस ह्यूस्टन शहर की उन्हें मानद नागरिकता प्रदान की गयी थी, उसी शहर में गत 6 नवम्बर की शाम उनके और उनके चाहने वालों के लिये यादगार बनी। वहां के पाकिस्तान-अमेरिका कम्युनिटी सेन्टर में जश्न-ए-वसीम महफिल सजी । इसी कार्यक्रम में उन्हें उर्दू साहित्य में योगदान के लिये अली सरदार जाफरी लिट्रेरी अवार्ड से नवाजा गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे आस्टिन (अमेरिका) स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास के प्रोफेसर अकबर हैदर। उन्होंने ही

■ शेष पृष्ठ 11 पर

ह्यूस्टन में जाफरी अवार्ड से ...

वसीम बरेलवी को सम्मानित करते हुये अवार्ड के साथ एक लाख रुपये का चेक प्रदान किया। इस अवसर पर प्रो. वसीम ने कहा कि आज दुनियां में हर तरफ आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्रों में अशांति है। ऐसे माहौल में पश्चिमी देशों के विश्वविद्यालयों के उर्दू पाठ्यक्रम में इस तरह की शायरी को शामिल किया जान चाहिये जो छात्रों में मानवीयता और आशावाद उत्पन्न कर सके। इससे पूर्व कार्यक्रम के संयोजक परवेज जाफरी ने कहा कि वसीम बरेलवी द्वारा सरल शब्दों में लिखी गयी गज़लें आम आदमी के दिल को छूती हैं। यही उनकी मकबूलियत का राज है। अपनी सादगी और सच्चाई की वजह से ही वह आज आला मुकाम पर हैं। पाकिस्तान के मशहूर शायर अब्बास ताबिश ने वसीम बरेलवी की तारीफ करते हुये कहा कि उनकी शख्सियत उनकी शायरी की तरह ही खूबसूरत है। इसी कड़ी में भारतीय शायर मेराज फैज़ाबादी ने वसीम बरेलवी की उर्दू शायरी पर प्रकाश डाला। यह कार्यक्रम अलीगढ़ एलुमिनी एसोसियेशन आफ टेक्सास के तत्वावधान में आयोजित किया गया। इसमें भारतीय व पाकिस्तानी मूल के लोग बड़ी संख्या में जुटे थे। प्रो. वसीम के सम्मान के बाद उन्हीं की अध्यक्षता में मुशायरा की महफिल सजी।

इसमें वसीम बरेलवी के अलावा भारतीय से पहुंचे शायर ताहिर फराज, मेराज फैजाबादी व पाकिस्तान के अब्बास ताबिश अमेरिका के डा. नौशा असरार, जमील जाफरी, सरफराज आबाद, हुमैरा रहमान, इशरत आफरीन, व डा. शगुफ्ता रियाज ने कलाम पढ़े। पूर्व में एसोसियेशन के अध्यक्ष लताफत हुसैन ने सभी शायरों का स्वागत किया। संचालन परवेज जाफरी का रहा।

हिन्दुस्तान, सोमवार 9 नवम्बर 2009, बरेली

वसीम को अली सरदार जाफरी अवार्ड

अमेरिका में 'जश्ने वसीम बरेलवी', कई शहरों में हुए मुशायरे

वरिष्ठ संवददाता बरेली

अमेरिका के शहर ह्यूस्टन में छह नवंबर की शाम हुए 'जश्ने वसीम बरेलवी' प्रो. वसीम को में उर्दू साहित्य में उनके योगदान के लिए 'अली सरदार जाफरी लिटरेरी अवार्ड' से नवाजा गया। इस मौके पर पाकिस्तान के मशहूर शायर अब्बास ताबिश ने कहा कि प्रो. वसीम बरेलवी की शख्सियत उनकी शायरी की तरह ही खूबसूरत है। दो साल पहले इसी शहर में उन्हें मानद नागरिकता दी गई थी।

आस्टिम स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास के मुख्य अतिथि प्रो. अकबर हैदर ने उन्हें अवार्ड के तौर पर एक लाख रुपये का चेक प्रदान किया।

कार्यक्रम के संयोजक परवेज जाफरी ने कहा कि वसीम बरेलवी के आसान लफ्जों में लिखी गई गजलें आम आदमी के दिल को छूती हैं। यही उनकी मकबूलियत का राज है। अपनी सादगी और सच्चाई की वजह से वह आज बुलंदियों पर हैं। भारतीय शायर मेराज फैजाबादी ने उनके उर्दू शायरी में योगदान के बारे में बताया। प्रो. वसीम बरेलवी ने कहा कि आज दुनिया में हर तरफ आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्रों में अशांति है। ऐसे माहौल में पश्चिमी देशों के विश्वविद्यालयों के उर्दू पाठ्यक्रम में ऐसी शायरी को शामिल किया जाना चाहिए जो छात्रों में मानवीयता और आशावाद पैदा कर सकें।

ह्यूस्टन के अमेरिकन कम्यूनिटी सेंटर में हुए जश्ने वसीम बरेलवी में भारतीय और पाकिस्तानी मूल के तमाम लोग मौजूद थे।

इसमें प्रो. बरेलवी के साथ ही ताहिर फराज, मेराज फैजाबादी, पाकिस्तान के अब्बास ताबिश, अमेरिका के डॉ. नौशा असरार, जमीन जाफरी, सरफराज आबाद, हुमैरा रहमान, इशरत आफरीन और डॉ. शगुफ्ता रियाज ने कलाम पढ़े।

वसीम बरेलवी ने मैक्स और शान अली खान को 'असरारुल हक मजाज' अवार्ड से नवाजा। इसका आयोजन अलीगढ़ एल्यूमनाई एसोसिएशन आफ टेक्सास ने किया। इसके अध्यक्ष लताफत हुसैन ने सभी का स्वागत किया। अध्यक्षता प्रो. बरेलवी ने की।

विश्वमानव बरेली, 9 नवम्बर 2009

ह्यूस्टन में मनाया गया जश्न -ए- वसीम

❖ वसीम बरेलवी अली सरदार जाफरी अवार्ड से सम्मानित

बरेली, 8 नवम्बर। वसीम बरेलवी की शायरी की लोकप्रियता काफी अर्सा पहले हिन्दुस्तान की सरहदों को पार कर चुकी है। अमेरिका के अलावा एशिया के कई देशों में वे अपने कलाम पढ़ चुके हैं। दो साल पहले

> वसीम बरेलवी 9 अक्टूबर से अब तक अमेरिका ह[illegible] डेट्राइट, डेनेवर, न्यूयार्क, शिका[illegible] [illegible]स्टन, ऑस्टिन तथा डल्लास के मु[illegible] में भी अपने कलाम पढ़ चुके हैं। 1[illegible] नवम्बर को वे फीनिक्स तथा 14 क[illegible] [illegible] फ्रांसिस्को के मुशायरों में शिरकत करेंगे।

अमेरिका के जिस ह्यूस्टन शहर की उन्हें मानव नागरिकता प्रदान की गई थी, उसी शहर में गत 6 नवम्बर की शाम उन्हें जश्न - ए- वसीम कार्यक्रम में उर्दू साहित्य में उनके योगदान के लिए अली सरदार जाफरी लिटरेरी अवार्ड से नवाजा गया। आस्टिन अमेरिका स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ टैक्सास तथा कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अकबर हैदर ने उन्हें अवार्ड तथा एक लाख रूपये का चेक प्रदान किया। इस अवसर पर बोलते हुए पाकिस्तान के मशहूर शायर अब्बास तबिश ने

कहा कि वसीम बरेलवी की शख्सियत उनकी शायरी की तरह ही खूबसूरत है। कार्यक्रम के संयोजक परवेज जाफरी ने कहा कि वसीम बरेलवी द्वारा सरल शब्दों में लिखी गई गजलें आम आदमी के दिल को छूती हैं यही उनकी मकबूलियत का राज है। भारतीय शायर मेराज फैजाबादी ने वसीम बरेलवी के उर्दू शायरी में योगदान पर प्रकाश डाला। अपने सम्बोधन में वसीम बरेलवी ने कहा कि आज दुनियां में हर तरफ आर्थिक, राजनैतिक और समाजिक क्षेत्र में अशान्ति है ऐसे माहौल में पश्चिमी देशों के विश्वविद्यालयों के उर्दू पाठ्यक्रम में ऐसी शायरी को शामिल किया जाना चाहिए जो छात्रों में मानवीयता और आशावाद उत्पन्न कर सके। ह्यूस्टन के पाकिस्तान अमेरिकन कम्युनिटी सेन्टर में हुए जश्न-ए-वसीम कार्यक्रम में भारतीय तथा पाकिस्तानी मूल के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

वसीम बरेलवी के सम्मान के बाद रात 9 बजे अन्तर्राष्ट्रीय मुशायरा शुरू हुआ जो अगले दिन सुबह 3.30 बजे तक चला जिसमें भारतीय ताहिर फराज, मेराज फैजाबादी पाकिस्तान के अब्बास तबिश तथा अमेरिका के डा० नौसाअसगर, जमीन जाफरी, सरफराज आबाद, सुश्री उमेरा रहमान, इशरत आफरीन तथा डा० शगुफ्ता रियाज ने कलाम पढ़े। लोगों को तब हैरानी हुई जब एक गोरे अमेरिकन मैक्स ब्रूस ने बढ़िया उर्दू बोलते हुए खुमार बाराबंकी के शेर तथा गजलें सुनायी। वसीम बरेलवी ने मैक्स ब्रूस तथा शान अली खान को असरार-अल-हक मजाज लिटरेरी अवार्ड प्रदान किया। यह कार्यक्रम अलीगढ़ ऐलुमिनी एसो० आफ टैक्सास के तत्वावधान में हुआ। जिसके अध्यक्ष लताफत हुसैन ने सभी शायरों का स्वागत किया। संचालन परवेज जाफरी ने व अध्यक्षता वसीम बरेलवी ने की।

आज

बरेली जनपद

९ नवम्बर २००९ बरेली

ह्यूस्टन में अपने अंदाज में शायरी करते अर्न्तराष्ट्रीय शायर प्रो.वसीम बरेलवी।

ह्यूस्टन में मनाया जश्न-ए-वसीम

वसीम बरेलवी अली सरदार जाफरी अवार्ड से सम्मानित

बरेली। वसीम बरेलवी की शायरी की लोकप्रियता काफी अर्सा पहले हिन्दुस्तान की सरहदों को पार कर चुकी है। अमेरिका के अलावा एशिया के कई देशों में वे अपने कलाम पढ़ चुके है। दो साल पहले अमेरिका के जिस ह्यूस्टन शहर में गत ६ नवम्बर की शाम उन्हें जश्न -ए-वसीम कार्यक्रम में उर्दू साहित्य में उनके योगदान के लिए अली सरदार जाफरी लिटरेरी अवार्ड से नवाजा गया। आस्टिन अमेरिका स्थित यूनिवर्सिटी आफ टैक्सास के प्रोफेसर तथा कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अकबर हैदर ने उन्हें अवार्ड तथा एक लाख रूपये का चेक प्रदान किया।

इस अवसर पर बोलते हुए पाकिस्तान के मशहूर शायर अब्बास तबिश ने कहा कि वसीम बरेलवी की शख्सियत उनकी शायरी की तरह ही खूबसूरत है। कार्यक्रम के संयोजक परवेज जाफरी ने कहा कि वसीम बरेलवी द्वारा सरल शब्दों में लिखी गयी गजले आम आदमी के दिल को छूती है। यही उनकी मकबूलियत का राज है अपनी सादगी और सच्चाई की वजह से वह आज आला मुकाम पर है। भारतीय शायर मेराज फैजाबादी ने वसीम बरेलवी के उर्दू शायरी में योगदान पर प्रकाश डाला। अपने संबोधन में वसीम बरेलवी ने कहा कि आज दुनिया में हर तरफ आर्थिक राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्रों में अशांति है। ऐसे माहौल में पश्चिमी देशों के विश्वविद्यालयों के उर्दू पाठयक्रम में ऐसी शायरी को शामिल किया जाना चाहिए जो छात्रों में मानवीयता और आशावाद उत्पन्न कर सके। ह्यूस्टन के पाकिस्तान अमेरिकन कम्युनिटी सेंटर में हुए जनश्न -ए-वसीम कार्यक्रम में भारतीय तथा पाकिस्तानी मूल के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित थे। वसीम बरेलवी के सम्मान के बाद रात ९बजे अंतराष्ट्रीय मुशायरा शुरू हुआ जो अगले दिन सुबह साढ़े तीन बजे तक चला जिसमें वसीम बरेलवी के अलावा भारतीय शायर ताहिर फराज ,मेराज फैजाबादी, पाकिस्तान, के अब्बास तबिश तथा अमेरिका के डा०नौशा असरार जमीन जाफरी सरफराज आबाद सुश्री हुमेरा रहमान ,इशरत आफरीन तथा डा० शगुफ्ता रियाज ने अपने कलाम पढ़े।हाल में बैठे लोगों को तब हैरानी हुई जब एक गोरे अमेरिकन मैक्स ब्रूस ने बढ़िया उर्दू बोलते हुए खुमार बाराबंकी के शेर तथा गजले सुनायी। वसीम बरेलवी ने मैक्स ब्रूस तथा शान अली खान को असरार अल हक मजाज लिटरेरी अवार्ड प्रदान किया। यह कार्यक्रम अली ऐलुमिनी एसो० आफ टैक्सास के तत्वावधान में हुआ जिसके अध्यक्ष लताफत हुसैन ने सभी शायरों का स्वागत किया। संचालन परवेज जाफरी ने किया मुशायरे की अध्यक्षता वसीम बरेलवी नेकी। वसीम बरेलवी ९अक्टूबर से अब तक अमेरिका हर्टफोर्ड डेट्रॉइट ,डेनेवर, न्यूयार्क ,शिकागों, बोस्टन, आस्टिन तथा इल्लास शहरों के मुशायरों में भी अपने कलाम पढ़ चुके है आगामी १३नवम्बर को वह फोनिक्स तथा १४ नवम्बर को सान फ्रांसिस्कों के मुशायरों में शिरकत करेंगे। रणजीत पांचाले